शिक्षकों के अनुभव

'फेस' संस्था द्वारा "Contribution and Expansion of Elementary Education" परियोजना के अन्तर्गत 2013 से पाकुड़ प्रखण्ड के 12 चयनित पंचायतों में 12 औपचारिक विद्यालयों के साथ बुनियादी शिक्षा पर काम शुरू किया गया है जिसके अन्तर्गत शिक्षकों के प्रशिक्षण के साथ–साथ विद्यालय के कमजोर बच्चों के लिए सहयोगी शिक्षा की व्यवस्था भी की गई है। इस दौरान शिक्षकों ने जो अनुभव प्राप्त किए हैं उनमें कुछ निम्नवत हैं :–

(i) शिक्षक और छात्रों के बीच आन्तरिक संबंध का होना अनिवार्य।

(ii) शिक्षकों को बच्चों की मानसिकता का समझना जरूरी।

(iii) शिक्षकों का बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार आवश्यक।

(iv) बच्चों में रटने की प्रवृति को प्रोत्साहित नही करना।

(v) गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति का बहुतायत में इस्तेमाल करना।

(vi) पाठ आधरित TLM का उपयोग करना।

(vii) वर्ग में Peer teaching तथा Group teaching करवाना।

(viii) बच्चों के दक्षता स्तर के अनुसार उन्हें पढ़ाना–सिखाना।

(ix) बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करने के लिए विभिन्न तरह के खेल–कूद एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

शीविर (Camp)

- 300 बच्चों के लिए आवासीय शीविर की व्यवस्था की गई है जहां शैक्षणिक क्रियाकलापों के अतिरिक्त त्वरित गति से हिन्दी, अंग्रेज़ी एवं गणित जैसे विषयों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सभी बच्चों को उनके उम्र के अनुकुल कक्षा में दाखिला कराने की कोशिश की जा रही है।
- 12 पंचायतों से रेमेडिअल, विशेष प्रशिक्षण एवं औपचारिक विद्यालय के 300 बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय में विशेष शैक्षणिक क्रियाकलाप किए जा रहे हैं जहाँ बच्चों की मुख्य कमज़ोरियों को चिन्हित कर विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का आयोजन करते हुए उनकी कमज़ोरियों को दूर कर उन्हें दक्ष बनाया जा रहा है। आवासीय विद्यालय के शिक्षकों द्वारा लगातार अनुश्रवण किया जाता है।

प्रयोग में लाये जा रहे शिक्षण सामग्री

बाल मेला

12 पंचायतों में बाल मेला एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल–पूर्व विशेष प्रशिक्षण, रेमिडिअल (वर्ग– I से VIII) एवं औपचारिक विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया जैसे– महात्मा गाँधी पर भाषण प्रतियोगिता, महात्मा गाँधी एक महान् महापुरूष एवं क्रिकेट पर क्विज प्रतियोगिता, कविता एवं भावगीत प्रतियोगिता, गणित दौड़, नारंगी दौड़, चित्रकला, म्यूमिज़कल चेयर, हंडी फोड़ना, स्कूल–पूर्व बच्चों का फैन्सी ड्रेस एवं बच्चों के शिक्षा के प्रति अभिभावकों को संवेदनशील करने हेतु प्रतियोगिता आदि। इस कार्यक्रम से समुदाय एवं औपचारिक विद्यालयों में वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता कराने की ज़रूरत समझ में आई एवं बच्चों में प्रतिस्पर्धा एवं आत्मविश्वास जैसी भावना पैदा करने की आवश्यकता को भी समझा गया।

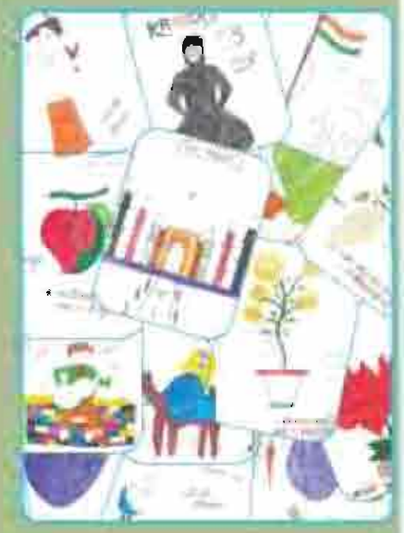

Supported by : Tata Education Trust (TET), Mumbai

Facilitated by : FACE, Pakur

NEWSLETTER 2013-14

FACE

Project- Continuation and Expansion of Elementary Education (CEEE)

क्लस्टर लर्निंग सेन्टर (CLC)

पाकुड़ जिले के लक्षित 12 पंचायतों में 12 समूह शिक्षण केन्द्र प्रारम्भ किए गए हैं– (i) चाँचकी (ii) पृथ्वीनगर (iii) जयकिष्टोपूर (iv) मनिरामपूर (v) नवादा (vi) ईलामी (vii) तारानगर (viii) ईसाकपूर (ix) गंधाईपूर (x) फरसा (xi) झिकरहाटी (xii) किस्मत कदमसार पंचायत। इन केन्द्रों में बच्चों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ समुदाय के लिए शैक्षणिक क्रियाकलाप एवं चर्चाएं भी आयोजित की जाती हैं।

सी०एल०सी० में फील्ड कोऑर्डिनेटर, मास्टर ट्रेनर, एस०एस०पी०टी०, सी०एल०आई० एवं वालंटियर के साथ परियोजना आधारित मासिक गतिविधियो के बारे में विस्तार से चर्चा होती है। सी०एल०सी० में समुदाय के विभिन्न पुरूष एवं महिलाओं के साथ–साथ सरकारी विद्यालयों में पदस्थापित शिक्षकों का आना जाना रहता है जहाँ वे शैक्षिक चर्चाओं के अतिरिक्त अखबार आदि भी पढ़ते हैं। केन्द्र पर विभिन्न स्तर के बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को हिन्दी, गणित, अंग्रेजी एवं विज्ञान जैसे विषयों से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाता है। इसके अतिरिक्त बच्चों के विकास के लिए समुदाय के सहयोग से वाद–विवाद, चित्रांकन, श्रुतिलेखन एवं पुस्ताकालय आधारित गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती है।

क्षमता वर्द्धन

6 विद्यालयों के प्रबंधन समिति के सदस्यों, 12 सरकारी विद्यालय तथा 10 मकतब/मदरसा के शिक्षकों को क्षमता वर्द्धन हेतु निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन समिति को विद्यालय के शैक्षणिक स्तर एवं बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने संबंधी सभी जानकारियाँ विस्तार से दी गई हैं। विद्यालय की साफ–सफाई नियमित रूप से करने तथा शिक्षक एवं छात्र/छात्राओं की उपस्थिति को शत्–प्रतिशत् करने पर जोर दिया गया है। सरकारी विद्यालय एवं मकतब/मदरसा के शिक्षकों के क्षमता वर्द्धन हेतु त्रैमासिक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बच्चों को पढ़ाने की नई तकनीक एवं खेल–खेल में पढ़ाने की विधा सिखाई जाती है।

विशेष प्रशिक्षण केन्द्र

12 पंचायतों में 12 विशेष प्रशिक्षण केन्द्र चलाए जा रहे हैं जिसमें कुल 240 छीजित एवं अनामांकित बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। इन बच्चों के प्रारंभिक मूल्यांकन में देखा गया है कि कुछ बच्चे शून्य स्तर एवं कुछ बच्चे अक्षर ज्ञान के स्तर पर हैं। इन केन्द्रों में स्थित बच्चों की उम्र 8–13 वर्ष की है। इन्हें तीव्र गति से I से V वर्ग की दक्षता हासिल करने हेतू पढ़ाया जाता है।

सहयोगी शिक्षा

12 पंचायतों में स्थित सरकारी विद्यालय के 30 कमजोर बच्चों के लिए 12 सहयोगी शिक्षा केन्द्र चल रहे हैं। जैसे–कक्षा I से V तक के 8 केन्द्र तथा कक्षा VI से VIII तक के 4 केन्द्र चल रहे हैं, जिसमें भाषा – हिन्दी, अंग्रेजी, गणित एवं विज्ञान की पढ़ाई में सहयोग दिया जा रहा है। इन केन्द्रों में कुल 360 बच्चें सुचारू रूप से अध्ययन कर रहे हैं।

स्कूल पूर्व शिक्षा

परियोजना सी०ई०ई०ई० के अन्तगर्त 15 Early Childhood Education Centers चल रहे हैं जिसमें कुल 1200 बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा दी गई है। यहाँ 5 से 6 आयु वर्ग के बच्चों को कक्षा I के स्तर की दक्षता के साथ तैयार कर 1160 बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ा गया है। बच्चों के मासिक थीम आधारित खेल, भावगीत तथा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से तैयार किया गया है।

वर्त्तमान(2 वर्ष)

30 आँगनबाड़ी केन्द्रों में 1200 बच्चें के साथ शैक्षणिक क्रियाकलाप किया जा रहा है।

मकतब/मदरसा

10 मकतब/मदरसा के शिक्षकों को दुनियावी शिक्षा के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है एवं बच्चों के साथ शैक्षणिक क्रियाकलाप किये जाते हैं। बेहतर शिक्षा के लिए मकतब/मदरसा समिति के सदस्यों एवं शिक्षकों के साथ बैठक किए जाते हैं।

मकतब/मदरसा के बच्चों के लिए द्वि–मासिक प्रतिस्पर्धा परीक्षा आयोजित की जाती है जिसमें उत्कृष्ट अंक पाने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया जाता है। इस प्रकार के कार्यक्रम करने से बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि एवं लगाव पैदा होता है जिससे बच्चों में घर में नियमित पढ़ने का माहौल पैदा होता है।

औपचारिक विद्यालय के साथ कार्यक्रम

12 औपचारिक विद्यालय के साथ विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम किये जा रहे हैं, जैसे– पुस्तकालय का संचालन, चित्रकला, वाद–विवाद, भाषण, शब्दकोष, गणित खेल आदि। अच्छे प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर उनको प्रोत्साहित किया जाता है। इसके साथ–साथ बच्चों के लिए द्वि–मासिक प्रतिस्पर्धा परीक्षा भी आयोजित की जाती है जिसमें हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित से प्रश्न पूछे जाते हैं। इन कार्यक्रमों के जरिये बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्सुक्ता पैदा की जाती है ताकि बच्चें नियमित स्कूल आयें। बच्चों में झिझक दूर करने के लिए औपचारिक विद्यालय के बच्चों के साथ गैर सरकारी विद्यालय के बच्चों के बीच विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अंतक्रिया के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

TLM निर्माण

(i) **स्कूल पूर्व बच्चे**–30 स्कूल पूर्व बच्चों के लिए मासिक थीम आधारित TLM का निर्माण किया जा रहा है, जैसे– अक्षर चार्ट, संख्या चार्ट, Letter चार्ट, मोती माला एवं विभिन्न प्रकार के फल, फूल के चित्र आदि।

(ii) **विशेष प्रशिक्षण** – 12 विशेष प्रशिक्षण केन्द्र के लिए– Hindi – अक्षर कार्ड, शब्द कार्ड, बारह खड़ी, मात्रा वाले शब्द, बिना मात्रा वाले शब्द, वाक्य कार्ड, चित्र कार्ड एवं विषय अनुसार भाषा अनुवाद शब्दकोष का निर्माण किया जाता है।

Math – संख्या कार्ड, संख्या पहचान कार्ड, संख्याओं का क्रम कार्ड, पहाड़ा चक्री, संख्या रेखा आदि। जैसे– +, –, ×, ÷ चित्र TLM निर्माण किया जाता है।

English- Letter cards, word cards & sentence cards etc का TLM निर्माण किया जाता है।

(iii) **रेमेडिअल** – रेमेडिअल (I से V) एवं (VI से VIII) के बच्चो के लिए– Hindi – अक्षर कार्ड, शब्द कार्ड, बारह खड़ी, मात्रा वाले शब्द, बिना मात्रा वाले शब्द वाक्य कार्ड चित्र कार्ड, कहानी एवं विषय अनुसार भाषा अनुवाद शब्दकोष निर्माण किया जाता है।

Math – संख्या कार्ड, संख्या पहचान कार्ड, संख्याओं का क्रम कार्ड, पहाड़ा चक्री, संख्या रेखा, चिन्ह +, –, ×, ÷ चित्र के साथ TLM का निर्माण किया जाता है।

English- Letter cards, word cards & sentence cards एवं chapter wise भाषा अनुवाद शब्दकोश रूपांतरण कर TLM का निर्माण किया जाता है। TLM दिखकर पढ़ाने से बच्चे पढ़ाई में रूची लेते हैं एवं बच्चें त्वरित गति से दक्षतओं को हासिल करने में सफल होते हैं।

विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC)

6 औपचारिक विद्यालय जैसे – (i) उ० म० विद्यालय नवादा (ii) प्र० वि० ईसाकपूर (iii) म० वि० शाहबाजपूर (iv) मध्य विद्यालय चाँचकी (v) उ० अंजना उच्च विद्यालय (vi) उ० म० किस्मतकदमसार के विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय के विकास एवं विद्यालय के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने के कई उपाय सुझाये गए। इसके अतिरिक्त शिक्षा अधिकार कानून पर विस्तार से चर्चा की गई। 'फेस' के कार्यकर्त्ताओं द्वारा बुनियादि आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय–समय पर फोलोऑप करने एवं वार्षिक विद्यालय कार्य योजना निर्माण के तरीके भी बताये गए।

वालंटियर

- वालंटियर द्वारा विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन।
- बच्चों के शैक्षिक स्तर का आकलन करना।
- छीजित एवं अनांमाकित बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए त्वरित शिक्षा आधारित शैक्षणिक क्रियाकलापों का आयोजन करना।
- बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए खेलकूद के माध्यम का सहारा लेना।
- बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करने के लिए TLM का उपयोग करना।
- बच्चे आगे की पढ़ाई सही एवं स्थायी रूप से पूर्ण कर सके, इसके लिए उन्हें उम्र एवं दक्षता के अनुरूप त्वरित पद्धति से शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था करना।